SRU WORLD
(A Monthly News Letter)
Vol : 04 March 2023 Page : 12

विश्वविद्यालय में हुआ प्लेसमेंट, प्रतिष्ठित कंपनियों ने दिया छात्रों को अवसर...

विश्वविद्यालय में मार्च माह में होने वाली प्लेसमेंट प्रक्रियाओं विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कम्पनियों ने शानदार अवसर प्रदान किया जिसमें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने बी. कॉम डिपार्टमेंट के विद्यार्थी अंकिता उपाध्याय, नेहा कामत, उमेश श्रीवास का चयन किया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भारत में अग्रणी निजी कंपनी है जिसने श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के उज्ज्वल, ऊर्जावान पेशेवर युवाओं की भर्ती करके उन्हें अपने आधार को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया है जो विद्यार्थियों को अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। इस ही प्रकार जॉनसन लिफ्ट्स एंड एस्केलेटर्स ने डिप्लोमा इंजीनियर से सौरभ पटेल, एमएससी हॉस्पिटल ने बी. फार्मा से डेविड मूसा और अविनाश कश्यप, बजरंग डील मार्क प्राइवेट लिमिटेड ने बी टेक सिविल से तेज प्रकाश पंडित का चयन किया और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया। विश्वविद्यालय अपने छात्रों के लिए प्लेसमेंट के माध्यम से महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर, उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ने का मौका लगातार प्रदान करने के प्रयास में है जिसमें प्लेसमेंट के माध्यम से इन प्रतिष्ठित कंपनियों ने छात्रों के संभावित कैरियर विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें उन्हीं कैरियर विकल्पों के लिए चयन करने का मौका दिया और छात्रों को संभावित कैरियर विकल्पों के बारे में बेहतर ढंग से जागरूक किया।

यूनिसेफ चीफ जोबजकारिया ने 'युवा गोंठ' और क्लीन और ग्रीन शाला और कॉलेज क्लाइमेट क्लब का किया शुभारंभ...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के सह- मेजबानी में और नेहरू युवा केंद्र, छत्तीसगढ़ और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान द्वारा 24 मार्च शुक्रवार को जलवायु, ऊर्जा और जल में युवा नेतृत्व पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में जोबजकारिया यूनिसेफचीफ, छत्तीसगढ़ नेहरू युवा केंद्र के रीजनल हेड श्रीकांत पांडे और विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम एवं कुलपति डॉ. एस. के. सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम में युवाओं ने छत्तीसगढ़ लोक गीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी और सभी को छत्तीसगढ़ संस्कृति की ओर आकर्षित किया।

छत्तीसगढ़, नेहरू युवा केंद्र के रीजनल हेड श्रीकांत पांडे बताया की इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के 1000 गांवों में युवाओं के लिए एक मंच तैयार करना है। इन गाँव के 40000 युवाओं को जलवायु और व्यवहार परिवर्तन का चैम्पियन बनाकर सामुदायिक सहभागिता के साथ-साथ उनको नेतृत्व करने के लिए सशक्त करना है। इसके साथ ही युवाक्लीन और ग्रीन शाला बनाने और कॉलेजों में क्लाइमेट क्लब की स्थापना हेतु कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से इन युवाओं को जल, जलवायु, पर्यावरण, ऊर्जा, पोषण, स्वच्छता, एमएचएम सहित 10 क्षेत्रों में व्यवहार परिवर्तन कराने हेतु क्षमतावान बनाना है, ताकि वे परिवर्तन के वाहक बनकर समाज में आशातीत परिवर्तन ला सकें।

विश्वविद्यालय की ओर से प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने अतिथियों का स्वागत किया और नेहरू युवा केंद्र, छत्तीसगढ़ और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की तारीफ की और उनकी इस पहल की सरहाना की इसके साथ ही उन्होंने बताया की श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय इन सभी प्रकार के आयोजन के माध्यम से सुदूरवर्ती आदिवासी क्षेत्र से आए बच्चों को कोचिंग की व्यवस्था करके शिक्षा

सेवी बनाने का संकल्प लिया है, जिसे युवा गोंठ के माध्यम से पूरा करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. सिंह ने अपने उद्बोधन में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस तरह के एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय आयोजन के लिए श्री रावतपोरा सरकार विश्वविद्यालय का चयन करने के लिए हम एनवाईकेएस, विशेष रूप से इसके राज्य निदेशक श्रीकांत पांडे जी के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में, भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति संवेदनशील है, जिसमें बढ़ते मौसम के स्तर, चरम मौसम की घटनाएं और गर्मी की लहरें शामिल हैं। उच्च शिक्षा संस्थान अनुसंधान, शिक्षण और आउटरीच के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को कम करने और अनुकूल बनाने में योगदान दे सकते हैं।

जोबजकारिया यूनिसेफचीफ ने कहा कि युवा गोंठ, क्लीन और ग्रीन शाला तथा कॉलेज में क्लाइमेट क्लब के माध्यम से युवाओं में विशिष्ट विकास निखरेगा । उन्हें समय समय में आनेवाले कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा, जो उनके कैरियर को सुदृढ़ करेंगे। वे प्रशिक्षित होकर ग्रीन जॉब्स पर विशेष तौर पर कार्य कर सकेंगे।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय और एनसीडीईएक्स के बीच हुआ एमओयू, छात्रों को देंगे ट्रेनिंग...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय और वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के स्वामित्व वाली कम्पनी नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज लिमिटेड (NCDEX) के बीच एमओयू किया गया। यह एमओयू इन दोनों संस्थाओं के बीच "कमोडिटी कनेक्ट प्रोग्राम (सीसीपी) पर पायलट प्रोजेक्ट" के तहत किया गया जिसमें वे छात्रों से कनेक्ट हो कर उन्हें ट्रेनिंग देंगे। ट्रेनिंग प्रक्रिया छः अलग-अलग भाग में विभाजित कर पूरी की जाएगी, जिससे छात्रों को नौकरी प्राप्त करने वक्त आने वाली चुनौतियों का सामना करने में आसानी होंगी। छात्रों के लिए ट्रेनिंग 31 मार्च से शुरू कर दी गई है, साथ ही उन्हें ट्रेनिंग खत्म होने के बाद प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (NCDEX) भारत में स्थित एक भारतीय ऑनलाइन कमोडिटी और डेरिवेटिव एक्सचेंज है। यह वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के स्वामित्व के अधिन एक स्वतंत्र निदेशक मंडल है और कमोडिटी डेरिवेटिव्स में व्यापार करने के लिए बाजार सहभागियों के लिए कमोडिटी एक्सचेंज प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

एमओयू विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट विभाग की एचओडी डॉ. निकिता ढोलकिया द्वारा कुलसचिव डॉ.सी रमेश कुमार और डीन एकेडमिक डॉ. रतन लाला बिरोली के मार्गदर्शन में किया गया। विश्वविद्यालय अपने छात्रों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने और उससे बाहर निकलने के साथ ही रोजगार योग युवा तैयार करने के लिए एमओयू के माध्यम से प्रयास कर रहा है।

विधायक इंदु बंजारे द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में 16 महिलाओं को किया गया सम्मानित...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 16 महिलाओं को उनके विशेष क्षेत्र में समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की ओर से सभागार में उपस्थित मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथिगण का स्वागत, आभार और अभिनन्दन करते हुए कहा कि " यहाँ हर सदी में लोग अतिथि और विशिष्ट के रूप में उपस्थित होते हैं, उन्होंने अपने कठिन परिश्रम और लगन से अपने क्षेत्र में एक विशेष स्थान बनाया है। हमारे समक्ष जो छात्र एवं छात्राए बैठे है उन्हें जीवन का सबक लेना चाहिए और साथ ही साथ आज के दिन यह संकल्प ले कि आने वाले समय में अपने लिए समाज में एक विशेष स्थान बनायेंगे तो विश्वविद्यालय मे इस तरह के समारोह करने का जो उद्देश्य है वो तभी पूर्ण हो सकता है"

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ,समानता का अर्थ है कि आर्थिक, धार्मिक, शिक्षा सभी छेत्र में एक सामान अधिकार हो,महिलाओ को सबसे मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण तरीका है आर्थिक रूप से मजबूत होना, यदि महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम हो जाये, आत्मनिर्भर हो जाये तो ये असमानता धीरे धीरे अपने आप ही खतम हो जाएँगी।

मुख्य अतिथि माननीय इंदु बंजारे , विधायक, पामगढ़ ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कि शुभकामनाएं दी एवं भारत कि प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले को नमन करते हुए कहा कि "दुनिया कि पहचान है नारी,दुनिया पर अहसान है नारी ,हर घर कि शान है नारी,हर रिश्ते कि सम्मान है नारी " उन्होंने सामारोह में आई सभी महिलाओ को सम्मानित किया एवं अपने राजनितिक जीवन के अनुभव को साझा करते हुए सभी को प्रोत्साहित किया।

विशिष्ठ अतिथि पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले ने पंडवानी गीत गाते हुए समाज में महिलाओ के महत्त्व के बारे में बताया एवं नीता डुमरे, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं विशेषज्ञ ने भी खेल से सम्बंधित अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि महिलाओ को अपने उद्बोधन से प्रेरणा दी।

संबोधन के पश्चात, डॉ. काजल सचदेव , डॉ. रूना शर्मा, अधिवक्ता गायत्री , श्रीमती सौरिन चंद्रसेन, श्रीमती गीतिका धूपड़, श्रीमती सोनम श्रीवास्तव, श्रीमती रचना सिंह, सुश्री ज्योति सुदरानी, सुश्री जेनिफर दास, श्रीमती प्रभा माहेश्वरी, सुश्री सुमनदीप कौर, श्रीमती शिखा वर्मा, श्रीमती शीतल चौधरी, सुश्री हर्षा साहू , सुश्री आहना जैन, श्रीमती भारती यादव को विशेष क्षेत्र में समर्पण के लिए सम्मानित किया गया।

"ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, देश के 17 राज्यों से लोग हुए शामिल साथ ही "डिस्कोर्स ऑन ट्रांसजेंडर सोसाइटी एंड मीडिया वर्ल्डवाइड" पुस्तक का किया विमोचन...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया" विषय पर 20-21 मार्च 2023 को आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सामाज कार्य विभाग और पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के तत्वावधान में किया गया, जो इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित है। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में कार्यक्रम संयोजक डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि ट्रांसजेंडर लोग समाज में अनेक प्रकार के समस्याओं का सामना करते हैं जिसके प्रति समाज में लोगो को जागृत करना है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 17 राज्यों से लगभग 150 लोगों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पाँच पुस्तकों का विमोचन किया गया जिसमें से दो राष्ट्रीय संगोष्ठी से संबंधित है और तीन पुस्तकें विश्वविद्यालय के सामाज कार्य विभाग और पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के शिक्षकों द्वारा अलग अलग विषय पर लिखी गई हैं।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रथम दिवस में श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई के कुलपति प्रो. डॉ. सदानंद शाही व द्वितीय दिवस में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार यूनिवर्सिटी के कुलपति, डॉ. बलदेव भाई शर्मा उपस्थित रहे। दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी पर वक्ता के तौर पर मातृ-सेवा संघ सामाजिक कार्य संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र के ओफ्फिशिएटिंग प्रिंसिपल प्रो. केशव माणिक चाल्के, सक्षम प्रकृति वेलफेयर सोसायटी (ट्रांसजेंडर), चंडीगढ़- पंजाब के अध्यक्ष धनंजय चौहान, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (प्रयागराज केंद्र) से. डॉ. शरद जावसवाल, सीडीएस, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर से डॉ. नरेश कुमार, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड से डॉ. राज कुमार, सचिव मितवा संकल्प समिति (ट्रांसजेंडर), ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की सदस्य रवीना बरिहा, अध्यक्ष, मितवा संकल्प समिति (ट्रांसजेंडर),रायपुर, छत्तीसगढ़ से विद्या राजपूत, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से डॉ. डिसेंट कुमार साहू, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, धमतरी से डॉ. मुकेश कुमार, साझेदारी, पीटीशियल नागपुर, महाराष्ट्र एनजीओ के प्रमुख श्री प्रेरणा बथारी, (ऑनलाइन) फिलाडेल्फिया,पीए, संयुक्त राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन स्टार्लिंग शामिल हुए)

राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ राज्यगीत के साथ किया गया तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. सिंह ने संगोष्ठी को सम्बोधित किया और उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सामाज कार्य विभाग और पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग को संगोष्ठी के आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दी। साथ ही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया" विषय पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने महाभारत के वक्त का उदहारण देते हुए बताया की भगवान राम को राज्य से निकाल दिया गया था और उन्हें 14 साल जंगल में बिताने के लिए कहा गया था। उनके अनुयायियों ने जंगल में उनका पीछा किया लेकिन उन्होंने सभी "पुरुषों और महिलाओं" से अयोध्या शहर वापस लौटने का अनुरोध किया और वो वापस लौट गए लेकिन सारे ट्रांसजेंडर व्यक्ति भगवान राम का वही इंतजार कर रहे थे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. डॉ. सदानंद शाही ने श्री रविशंकर जी महाराज को नमन करते हुए अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय में उपस्थित होने पर आभार व्यक्त किया और ख़ुशी जाहिर की। उन्होंने उपस्थित सभी किन्नर सदस्यों और वक्ता के तौर पर उपस्थित सभी का स्वागत किया। उन्होंने समाज, साहित्य और कहानियों में उपस्थित ट्रांसजेंडर लोगो की प्रस्तुतियों पर बात की और बताया की सदियों से उन्हें अलग माना जा रहा है। सामाजिक विमर्श, धार्मिक विमर्श और वेदांत कहता है कि सभी के भीतर वही परम तत्व है सभी को स्वीकार करें। साथ ही ये भी उल्लेखनीय है की समाज में जब सेकंड जेंडर (महिलाओं) के लिए भेदभाव है तो थर्ड जेंडर के लिए सम्मान और बराबरी तो है ही नहीं। हमेशा से ट्रांसजेंडर लोगो को असम्मानित शब्दों से पुकारा जाता है. उन्होंने बताया की सामाजिक रूप से ट्रांसजेंडर लोगो का बहिष्करण होता है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव सी रमेशकुमार ने सभी का स्वागत और अभिनंदन किया साथ ही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया" के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. संतोष कुमार और सहसंयोजक डीन, फ़ैकल्टी ऑफ आर्ट्स डॉ. मनीष वर्मा एवं सहायक प्राध्यापक, डॉ. नरेश कुमार गौतम भी उपस्थित रहे। डॉ. संतोष कुमार, डीन, फ़ैकल्टी ऑफ आर्ट्स डॉ. मनीष वर्मा एवं सहायक प्राध्यापक, डॉ. नरेश कुमार गौतम द्वारा "ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया" पर लिखी गई "डिस्कोर्स ऑन ट्रांसजेंडर सोसाइटी एंड मीडिया वर्ल्डवाइड" पुस्तक का विमोचन किया साथ ही ट्रांसजेंडर सोसाइटी और मीडिया , डॉ. संतोष कुमार द्वारा डायस्पोरा एमिग्रेशन एंड इनक्वॉलिटी, डॉ. राकेश कुमार डेविड द्वारा प्राथमिक शिक्षा का लोकव्याकरण, फ़ैकल्टी ऑफ आर्ट्स डॉ. मनीष वर्मा द्वारा द फिलॉसफी ऑफ़ एक्सिस्टेंलिस्म पुस्तकों का विमोचन किया गया।

तत्पश्चात राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन उपस्थित संक्षम प्रकृति वेलफेयर सोसायटी (ट्रांसजेंडर), चंडीगढ़- पंजाब से अध्यक्ष धनंजय चौहान और मितवा संकल्प समिति (ट्रांसजेंडर),रायपुर, छत्तीसगढ़ से श्री देवनाथ ने ट्रांसजेंडर बनने की अपनी आपबीती बताई और अपने ऊपर हुए शोषण और अत्याचार के बारे में बताया की कैसे उनको ट्रांसजेंडर होने के कारण समाज में प्रताड़ित किया गया और मितवा संकल्प समिति (ट्रांसजेंडर),रायपुर, छत्तीसगढ़ से अध्यक्ष विद्या राजपूत, सदस्य रवीना बारिहा ने ट्रांसजेंडर के प्रति समाज और मीडिया में उन्हें कैसे गलत प्रस्तुत किया जाता है इस बारे में बताया।

महाराष्ट्र के ओफ्फिशिएटिंग प्रिंसिपल प्रो. केशव माणिक वाल्के, गांधीनगर से डॉ. नरेश कुमार, वर्धा (प्रयागराज केंद्र) से. डॉ. शरद जायसवाल ने समाज और मीडिया में ट्रांसजेंडर लोगो की स्थिति और उनके नज़रिये के बारे में बताया। प्रथम दिन में सभी प्रतिभागियों ने सभी वक्ताओं के अनुभव जाने और अपनी प्रतिक्रिया दी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन उपस्थित वक्ताओं ने ट्रांसजेंडरों की पहचान और राजनीति, परिवार और समाज द्वारा ट्रांसजेंडर और सामाजिक बहिष्कार, ट्रांसजेंडर, समस्या और संभावनाएं, सिनेमा और साहित्य में ट्रांसजेंडर, ट्रांसजेंडर पहचान, पहचान और राजनीति, मेनस्ट्रीम मीडिया में ट्रांसजेंडर प्रतिनिधित्व, ट्रांसजेंडर और मानवाधिकार, ट्रांसजेंडर, पारंपरिक पहचान और संस्कृति, ट्रांसजेंडर के समाजशास्त्रीय पहलू पर चर्चा की साथ ही फिलाडेल्फिया, पीए, संयुक्त राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन स्टार्लिंग ने ऑनलाइन माध्यम से अपना वक्तव्य दिया और ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया से संबंधित अपना अनुभव साझा किया एवं शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

द्वितीय दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. बलदेव भाई शर्मा ने ट्रांसजेंडर समाज और मीडिया पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर उपस्थित सभी शोधार्थियों और वक्ताओं से चर्चा की एवं संगोष्ठी पर उपस्थित होने पर ख़ुशी जाहिर की और विश्विविद्यालय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के उपेक्षित तबके को मोमबत्ती देना बहुत साहस का कार्य है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना ही नहीं है अपितु छात्र के मन में शिक्षा के व्यवसाय की सामाजिक दृष्टि को जगाना और उस पर शोध करना है। जिन्होंने वर्षों से समाज में पहचान के लिए बहुत कुछ सहा है। उन्हें हमारे समाज में स्वीकृति मिलनी चाहिए, समाज में सम्मान मिलना चाहिए।

संगोष्ठी के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समापन किया गया।

वर्नर-ग्रेन इंस्टीट्यूट, स्टॉकहोम, स्वीडन के अनुसंधान वैज्ञानिक ने दिया छात्रों को व्याख्यान...

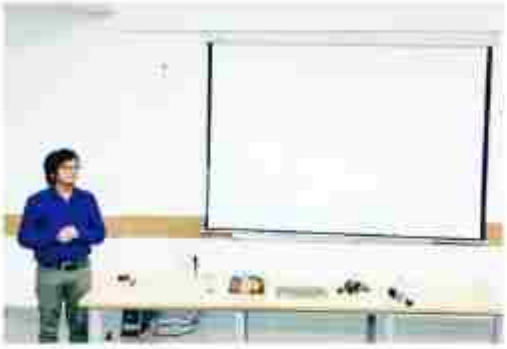

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा छात्रों और कर्मचारियों के सदस्यों के लिए "कैंसर अनुसंधान में विकिरण जीव विज्ञान" पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। वार्ता के विशेषज्ञ डॉ. प्रबोध कुमार मेहर, अनुसंधान वैज्ञानिक, आण्विक जैव विज्ञान विभाग, वर्नर-ग्रेन इंस्टीट्यूट, स्टॉकहोम, स्वीडन थे। यह वार्ता विज्ञान, इंजीनियरिंग और फार्मेसी के स्नातकोत्तर छात्रों के बीच अनुसंधान रुचि विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय की पहल का हिस्सा है। अपने विचार-विमर्श में डॉ. मेहर ने कैंसर के उपचार में सुधार के साथ-साथ आकस्मिक विकिरण जोखिम और बायोडोसिमेट्री के लिए विकिरण जीव विज्ञान अनुसंधान के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। वर्तमान में उनकी टीम कैंसर रोगियों के बीच दूसरी बार होने वाले कैंसर के लिए अलग-अलग रेडियो-संवेदनशीलता और बायोमार्कर निर्धारित करने पर काम कर रही है। अपने भाषण के दौरान डॉ. मेहर ने एक नई विधि की व्याख्या की, जिसे उन्होंने विकसित किया था, जो कम अवधि में हानिकारक विकिरण के संपर्क में आने वाले व्यक्ति द्वारा प्राप्त खुराक की अनुमानित मात्रा को निर्धारित करने के लिए विकसित की गई थी। बातचीत के बाद एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उनके शोध कार्य और कैंसर से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे।

विश्वविद्यालय के योग विभाग के विद्यार्थीयों ने किया आचार्यों के साथ उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड के विभिन्न योग संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कला संकाय अंतर्गत योग विभाग के 36 विद्यार्थी आचार्यों के साथ शैक्षणिक भ्रमण हेतु 17 मार्च को रवाना हुए थे। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को यौगिक वातावरण से जोड़कर योग के मूलभूत तथ्यों से व्यवहारिक अनुभव कराना था। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड के विभिन्न योग संस्थानों (तपोभूमि मथुरा, देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, ऋषिकेश, हरिद्वार) का भ्रमण किया साथ ही संचालित योग संस्थाओं में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के सैद्धांतिक व प्रायोगिक कक्षाओं में भाग भी लिया।

प्रथम दिवस में टीम ने मथुरा के तपोभूमि युग निर्माण योजना ट्रस्ट के विभिन्न यौगिक आध्यात्मिक क्रियाकलापों में भाग लिया, युग निर्माण योजना प्रेस का अवलोकन किया तथा भक्तियोग मार्गी संस्थानों का भ्रमण किया। द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने शांतिकुंज हरिद्वार के यौगिक आध्यात्मिक साधनाओं में भाग लिया और ऋषिकेश के विभिन्न योग संस्थाओं एवं गीता प्रेस का अवलोकन किया साथ ही नीलकंठ महादेव का दर्शन भी किया।

तृतीय दिवस में देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार में विद्यार्थियों को संकायाध्यक्ष योग के पितामह कहे जाने वाले प्रो. ईश्वर भारद्वाज, विभागाध्यक्ष प्रो सुरेश बर्नवाल एवं कुलसाचिव श्री बलदाऊ देवांगन का सान्निध्य मिला और उनके मार्गदर्शन एवं संबोधन से सभी लाभान्वित हुए। तत्पश्चात सह आचार्य श्री कामता प्रसाद द्वारा हठयोग की कक्षा ली गई जिसके पश्चात् विद्यार्थियों ने अपने प्रश्नों का उत्तर भी प्राप्त किया। तत्पश्चात् देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संचालित पॉली क्लीनिक वैकल्पिक चिकित्सा केंद्रों का अवलोकन किया

एवं सह आचार्य डॉ अमृत लाल गुरवेंद्र से विशेष मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के योग विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. कामाख्या कुमार के द्वारा विशेष सत्र लिया गया, उनके सान्निध्य एवं मार्गदर्शन से सभी विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

चतुर्थ दिवस में विद्यार्थियों ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय परिसर के प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र एवं एक्यूप्रेशर पार्क का अवलोकन किया एवं स्वास्थ्य वर्धक आहारों का लाभ उठाया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ चिन्मय पंड्या का सान्निध्य विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय क्षण रहा जिसमें डॉ चिन्मय पंड्या के द्वारा लिए गए विशेष सत्र का लाभ विद्यार्थियों ने लाभ उठाया एवं अपने प्रश्नों का उचित उत्तर भी प्राप्त किया। तत्पश्चात् ऐतिहासिक स्थल दक्ष प्रजापति मंदिर एवं माता सती के जन्मस्थल का अवलोकन किया साथ ही मंशा देवी मंदिर एवं श्री गंगा आरती का दर्शन लाभ भी प्राप्त किया। पंचम दिवस में विद्यार्थियों की देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ

प्रणव पंड्या और अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रमुख शैलबाला पंड्या से विशेष मुलाकात हुई और मार्गदर्शन प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान में होने वाले यौगिक आध्यात्मिक प्रयोगों एवं अनुसंधानों को समझा, यह सत्र विद्यार्थियों के लिए बहुत ही रोचक रहा। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने भारत माता मंदिर का अवलोकन कर भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से परिचित हुए। अंतिम सत्र में देव संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित भगवत गीता की कक्षा में शामिल हुए एवं विशेष सत्र का लाभ उठाया। प्रतिदिन विद्यार्थियों ने नादयोग साधना में भी भाग लिया।

यह टीम योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ राधिका चंद्राकर और आशीष धर दीवान के नेतृत्व में रवाना हुई थी। इस शैक्षणिक भ्रमण हेतु विभागाध्यक्ष डॉ. केवल राम चक्रधारी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि प्रति वर्ष योग के विद्यार्थियों को इसी प्रकार विभिन्न योग संस्थाओं को देखने समझने का अवसर मिलता रहेगा जिससे उनके व्यवहारिक ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।

विश्वविद्यालय द्वारा NSS और UBAके तहत चलाया गया जागरूकता अभियान...

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और उन्नत भारत अभियान (UBA) के शिक्षकों और छात्रों के तहत गोद लिए हुए गाँवों में चलाये जा रहे स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान में 25 मार्च 2023 को एक बार फिर राष्ट्रीय सेवा योजना और उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए हुए गाँव धनेली के प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक कराया साथ ही ड्राइंग कंपटीशन भी कराया गया।

ड्राइंग कंपटीशन में विजेता विधार्थियो के प्रोत्साहन के लिए पुरस्कार वितरण किया गया जिससे विद्यार्थियों के चेहरों में ख़ुशी और उत्सुकता नज़र आई। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के ओर से स्कूल के इस सहयोग के लिए भी वहां के प्रिंसिपल को मोमेंटो भेंट किया गया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रकांत मोहबिया का शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रकांत मोहबिया का 23 से 24 फरवरी 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की प्रगत संगणन विकास केंद्र के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इंटेलिजेंट सिस्टम पर उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियां" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। रिसर्च पेपर का विषय "एनसीए बैंड फीचर के साथ बेसियन अनुकूलित केएनएन क्लासीफायर का उपयोग करके सोयाबीन की पत्ती रोग का पता लगाने के लिए दृष्टिकोण" (Approach for Detection of Soybean Leaf Disease using Bayesian Optimized KNN Classifier with NCA based Feature selection) है। जिसे स्प्रिंगर बुक सीरीज "लेक्चर सीरीज इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम" स्कॉपस इंडेक्स्ड में प्रकाशन के लिए चयन किया गया है

इसके साथ ही हालही में उन्होंने "रैंडम फ़ॉरेस्ट का उपयोग करके सोयाबीन के पौधों के कीट और पत्ती रोग का हाइब्रिड फीचर आधारित वर्गीकरण" (Hybrid Features based Classification of Insect and Leaf Disease of Soybean Plants using Random Forest Classifier) पर आईसीएआर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन एंड रिसर्च, इंदौर, एमपी इंडिया के साथ मिलकर स्कोपस इंडेक्स शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित किया है। इसका उद्देश्य उन्होंने बताया कि कीट प्रबंधन एवं फसल रोग सोयाबीन के खेती के लिए एक चुनौती है , जिसका समय पर पता चलना अत्यंत महत्वपूर्ण है, इस समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कीटो के आक्रमण का पूर्वानुमान एवं सोयाबीन के पौधों में होने वाले रोगों को पहचानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग का उपयोग कर एक बहुत ही उपयोगी तकनीक का अविष्कार किया है जिसका प्रयोग इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन एंड रिसर्च, इंदौर, एमपी द्वारा उपयोग उनके मोबाइल एप्लीकेशन में किया जाएगा जो कि मालवांचल के किसान जो सोयाबीन की खेती करते है उनके लिए अत्यंत ही हितकारी होगा।

"लाइफ इंटेलिजेंस" पर वर्कशॉप का आयोजन...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 28 मार्च को "लाइफ इंटेलिजेंस" पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। "लाइफ इंटेलिजेंस" वर्कशॉप विधार्थियों के व्यक्तिगत, व्यावसायिक और सामाजिक उन्नयन में विकास के लिए किया गया। इस "लाइफ इंटेलिजेंस" वर्कशॉप पर मुख्य वक्ता के तौर पर सर्टिफाइड लाइफ स्किल्स, सॉफ्ट स्किल और मैनेजमेंट स्किल ट्रेनर और विशेषज्ञ अभिषेक बख्शी ने छात्रों को भविष्य के लिए मार्गदर्शित किया।

अभिषेक बख्शी ने लाइफ इंटेलिजेंस वर्कशॉप में विद्यार्थियों को जिंदगी में सफलता पाने के लिए कुछ जरूरी स्किल्स और स्ट्रैटेजी सिखाई साथ ही जिंदगी के मुख्तलिफ पहलुओं के बारे में जानकारी दी जैसे कि करियर, रिलेशनशिप, फाइनेंशियल प्लानिंग, टाइम मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट, और हेल्थ। लेक्चर में अपने विचार और व्यवहार को समझने के लिए तकनीक टूल भी बताए।

उन्होंने छात्रों के साथ एक न्यूज पेपर पब्लिशिंग थीम देकर गतिविधि कराई और छात्रों से अपने उद्देश्यों को कैसे पूरा करना है इस बारे में चर्चा की साथ ही उन्होंने इंटेलीजेंस क्वोशन्ट (IQ) और इमोशनल क्वोशन्ट(EQ) के अंतर में संक्षिप्त में वर्णन किया। इस दौरान छात्रों में उत्सुकता और जिज्ञासा देखी गई जिसके चलते छात्रों ने अपनी-अपनी जिज्ञासा की संतुष्टि के लिए सवाल किए, जिसका उन्हें जवाब मिला और वे सभी प्रेरित हुए।

विश्वविद्यालय में मनाया गया "विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस", छात्रों ने की नेत्र स्वास्थ्य देखभाल शिविर सेवा...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में "विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस 2023" कार्यक्रम मनाया गया। विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य अतिथि नेत्र रोग विशेषज्ञ, एनएच एमएमआई अस्पताल रायपुर से डॉ. सोनल व्यास उपस्थित रही एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. सिंह भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. सिंह ने उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. सोनल व्यास का स्वागत किया और सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को समाज और ग्रामीण व्यक्तियों के लिए अच्छा करने और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. सोनल व्यास ऑप्टोमेट्री और उनके स्कोप से संबंधित जानकारी प्रदान की। उन्होंने ऑप्टोमेट्री के महत्व के बारे में भी सभी को बताया और

उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन कुलपति महोदय एवं मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पहले मुख्य अतिथि द्वारा छात्रों को जानकारी प्रदान की गई तत्पश्चात ऑप्टोमेट्री विभाग के शिक्षक और छात्रों ने नेत्र स्वास्थ्य देखभाल शिविर के माध्यम से निःशुल्क सेवा प्रदान की। नेत्र स्वास्थ्य जांच शिविर में ऑप्टोमेट्री के विद्यार्थियों द्वारा एसआरयू के 150 से अधिक सदस्यों की जांच की गई जिसमें चालक हाउसकीपिंग स्टाफ, यूनिवर्सिटी स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने जांच कराई।

विश्वविद्यालय से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वीणा देवी सिंह का लेख एससीआई इंडेक्सिंग जर्नल में हुआ प्रकाशित...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वीणा देवी सिंह का एससीआई इंडेक्सिंग जर्नल "करंट फ़ार्मास्युटिकल डिज़ाइन" बेंथम साइंस पब्लिशर्स, में एक समीक्षा लेख प्रकाशित हुआ है। जिसका इम्पैक्ट फैक्टर - 3.551 है | समीक्षा लेख का शीर्षक "कैंसर प्रोटिओमिक्स फॉर सेलुलर डिसफ़ंक्शन : इनसाइट्स एंड ट्रेंड्स" है। उन्होंने इसमें बताया है की प्रोटिओमिक्स विधि से हमें यह जानने में सहायता मिलती है कि किस प्रकार विभिन्न रोग उत्पन्न होते हैं तथा किस प्रकार इनके विरुद्ध कार्य करने के लिए नई औषधियों का निर्माण किया जा सकता है। इस प्रकार प्रोटिओमिक्स का उपयोग किसी रोग से संबंधित प्रोटीन की पहचान करने में किया जा सकता है।

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY,
RAIPUR (C.G.)

क्या आप दो कोर्स
एक साथ करना चाहते है

We are offering
DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.Com. + M.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता हेतु शुभकामनाएं....

परखें अपने आत्मविश्वास को और जीतें निश्चित उपहार

Guess Expected Score % & Win

कक्षा 12 वीं के विद्यार्थी अपनी वार्षिक परीक्षा में स्कोर प्रतिशत का अनुमान लगायें एवं विद्यार्थी सही अनुमान के समीप होने पर मार्कशीट दिखा कर निश्चित उपयोगी उपहार जैसे लैपटॉप, टैबलेट, मोबाईल एवं अन्य (योजनानुसार) के हकदार बन सकते है ।

(*शर्तें लागू)

विद्यार्थी दिये गये QR कोड को स्कैन कर अनुमान दर्ज करें।

7222910411

NH-30, Post Mana, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.) India

www.sruraipur.ac.in Follow on : / sruraipurindia /shrirawatpurasarkar

सम्पादकीय समिति

प्रेरणास्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति-कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

सी. रमेशकुमार
कुलसचिव

संपादक
हिना परवीन

छायाचित्र
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिजाइन
दिनेश कुमार सिन्हा